

W TOMIKU:

I - Klatka

- | | |
|------------------------------|---------|
| 1. *** (Chowam się ...) | str. 7 |
| 2. *** (Gdzie zieleni ...) | str. 8 |
| 3. *** (Klatka ...) | str. 9 |
| 4. *** (Z każdą minutą ...) | str. 10 |

II - Nowe życie

- | | |
|------------------------------|---------|
| 5. Nowe życie | str. 13 |
| 6. *** (Co to życie ...) | str. 14 |
| 7. *** (Cóż to śmierć ...) | str. 15 |
| 8. Życie | str. 16 |
| 9. *** (Wyszli na łakę ...) | str. 17 |
| 10. Od | str. 19 |
| 11. *** (Urodzić się ...) | str. 20 |

III - Scienta vincere terebras

12. Ora et labora	str. 23
13. Scienta vincere terebras	str. 24
14. Errare humanum est	str. 25
15. Feci, quod potui	str. 26
16. Sapienti sat	str. 27

IV - Gdzie jesteś, przyjacielu

17. *** (Chodzę ze świecą ...)	str. 31
18. *** (Gdzie jesteś ...)	str. 32
19. To ja	str. 34
20. *** (Podaj mi ...)	str. 35

V - Zwałam

21. *** (Zwałam ...)	str. 39
22. *** (Kiedy chcę ...)	str. 40
23. *** (Dobro zło ...)	str. 41
24. *** (Im więcej ...)	str. 42
25. *** (Myślałem ...)	str. 43
26. *** (Wypiłem lampkę ...)	str. 44

V I - Moje życie było jak zabawa

- | | |
|--|---------|
| 27. *** (Dlaczegoż to ...) | str. 47 |
| 28. *** (Czasami myśli ...) | str. 48 |
| 29. *** (Wśród drzew
pochylonych ...) | str. 49 |
| 30. Spotkanie | str. 50 |
| 31. *** (Pamiętasz tamten
wieczór ...) | str. 51 |
| 32. *** (Twych rąk ...) | str. 52 |
| 33. *** (Znow Ty ...) | str. 53 |
| 34. *** (Oddalam się ...) | str. 54 |
| 35. *** (Morska fala ...) | str. 55 |
| 36. *** (Pijane wargi ...) | str. 56 |
| 37. Do | str. 57 |
| 38. Na | str. 58 |
| 39. *** (Płomyk zgasł ...) | str. 59 |
| 40. *** (Kocham ...) | str. 60 |
| 41. *** (Moje życie było ...) | str. 61 |

V I I - Dedykowane autorowi tomika

- 42. *** (jesteś jesteś jesteś ...) str. 65
- 43. *** (Wiem, musisz odejść ...) str. 67
- 44. *** (A Ty masz ...) str. 68
- 45. Samo życie str. 70